सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 334, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड गलत इंजेक्शन से गई जान, प्राइवेट हॉस्पिटल पर... » Pg10

यूपी के चार जिलों में भयानक हादसे

काल बना कोहरा...! सड़क हादसों में लगे लाशों के ढेर

बस्ती और उन्नाव में चार-चार, बागपत में दो, मथुरा में 13 मौतें सौ से ज्यादा घायल, सीएम योगी ने दो-दो लाख मुआवजे का किया ऐलान

मथुरा में हुआ हादसा कितना वीभत्स है, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मृतकों के जले हुए अवशेषों को करीब 17 थैलियों में भरकर पोस्टमार्टम हाउस लाया गया है। बस में सवार ज्यादातर यात्री आजमगढ़ और मऊ सहित पूर्वी यूपी के जिलों से थे।

देखने वालों का कलेजा कांप गया। आग इतनी भयानक थी कि कई लाश बसों की सीटों पर चिपकी हुईं मिलीं।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया।

मथुरा/लखनऊ। यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। घने कोहरे में सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। इसके बाद मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई। सुबह करीब 3:30 बजे बलदेव थाना क्षेत्र में 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुए इस भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक यात्री घायल हो गए। सूचना पाते ही इलाके की पुलिस और जिला प्रशासन मौके पर पहुंच गया। काफी संख्या में यात्री परेशान हैं। मौके पर पहुंची फायरब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। डीएम, एसएसपी समेत सीओ और एसडीएम भी मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं इस हादसे के अलावा उन्नाव, बस्ती और बागपत के अलावा कई जगहों से हादसों की खबरें मिली हैं, जिनमें काफी जानमाल की हानि हुई बताई जा रही है।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत घटना का संज्ञान लिया और रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर अधिकारियों को भेजा। सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके अलावा रोडवेज ने भी मुआवजा का ऐलान किया है। रोडवेज बस के मृतकों के परिजनों को रोडवेज 5-5 लाख रुपये मिलेगा।

मथुरा हादसे के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि जब हादसा हुआ, तो वो गहरी नींद में था। अचानक से जोरदार धमाका हुआ। आंख खुली तो आग तेजी से फैल गई थी। यात्रियों के चीखने-चिल्लाने की आवाजें आ रहीं थीं। अफरा-तफरी का माहौल था। मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। फिलहाल घटना में प्रशासन ने दस लोगों के मरने की पुष्टि कर दी है, हालांकि बीस लोगों की जिन्दा जलकर मौत होने की जानकारी मिली है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय दृश्यता लगभग शून्य थी। कोहरे के चलते एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहनों में धमाके के साथ आग लग गई। आग की लपटें उठते ही बसों में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और घायलों को वाहनों से बाहर निकाला गया। घायलों को जिला अस्पताल मथुरा, 100 शैय्या अस्पताल वृंदावन में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है। 38 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। जिनका उपचार चल रहा है। 39 बलदेव सीएचसी पर हैं। कानपुर निवासी अमन यादव ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ कार से बांके बिहारी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घने कोहरे के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। तभी अचानक सामने से आए वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दी और उसके बाद लगातार कई वाहन आपस में टकराते चले गए।

मंडल आयुक्त ने दी ये जानकारी

मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। फिलहाल घटना में प्रशासन ने दस लोगों के मरने की पुष्टि कर दी है, हालांकि बीस लोगों की जिन्दा जलकर मौत होने की जानकारी मिली है।

एक्सप्रेसवे पर डिवाइडर से टकराई फार्च्यूनर, चार की मौत

घने कोहरे के बीच आगरा मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के नसिरापुर गांव के पास यह भीषण हादसा हुआ। फार्च्यूनर कार गाजियाबाद से लखनऊ की ओर जा रही थी। मृतकों की पहचान राजनगर एक्सटेंशन निवासी 55 वर्षीय अशोक कुमार अग्रवाल, मोदीनगर निवासी 20 वर्षीय अभिनव अग्रवाल और 25 वर्षीय आकाश अग्रवाल के रूप में हुई है। चौथे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि कार अशोक अग्रवाल की थी, जबकि घटना के समय अभिनव अग्रवाल वाहन चला रहा था। हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम और बांगरमऊ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

कंकाल, खोपड़ियां और अधजलीं लाशें

सात बसों और तीन कारों में आग इतनी भयानक थी कि कई लोगों को तो बचने का मौका ही नहीं मिला। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया। हादसे के बाद बसों से कंकाल, खोपड़ियां और अधजलीं लाशें निकालीं गईं, तो देखने वालों का कलेजा कांप गया। आग इतनी भयानक थी कि एक्सप्रेस-वे पर सफेद पट्टी तक पूरी तरह पिघल कर मिट गई। कई लाश बसों की सीटों पर चिपकी हुईं मिलीं। पुलिस ने इन लाशों को बसों से बाहर निकाला। इनको 17 बैग में रखकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया गया है।

हिंडन नदी में गिरी कार, कांस्टेबल समेत दो की मौत

बागपत-मेरठ हाईवे पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस विभाग के कांस्टेबल समेत दो लोगों की मौत हो गई। अनियंत्रित वाहन की टक्कर से एक कार सीधे हिंडन नदी में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि कार नदी में गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू कर नदी में गिरे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में बुलंदशहर निवासी हेड कांस्टेबल राहुल और बसोद निवासी अजरू उर्फ अजरुद्दीन की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार एक अन्य कांस्टेबल और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बस्तीः ट्रक और बस की टक्कर में चार की मौत, 15 घायल

यूपी के बस्ती में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। हरदिया चौराहे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक और बस की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बस और ट्रक चालक चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहंची। पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद सभी घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। इसमें बस और ट्रक के चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। ट्रक चालक कानपुर का बताया जा रहा है।

सीएम डैश बोर्ड में भारी गिरावट

नवंबर में 64वें पायदान पर कानपुर

» डैश बोर्ड रैंकिंग साफ संकेत दे रही है कि जिलाधिकारी स्तर पर सख्ती जरूर है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई विभागों के अफसर अब भी लापरवाह बने हुए हैं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की सख्ती व लगातार समीक्षा भी जिले की सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में सुधार नहीं कर पा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी नवंबर माह की रिपोर्ट में जिला महज 8.28 अंक प्राप्त कर 64वें स्थान पर रहा है। जबकि अक्तूबर में कानपुर 40वें स्थान पर था। सितंबर माह में भी जिले की रैंकिंग 64वीं रही थी।

डैश बोर्ड रैंकिंग साफ संकेत दे रही है कि जिलाधिकारी स्तर पर सख्ती जरूर है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई विभागों के अफसर अब भी लापरवाह बने हुए हैं।

शासन की कड़ी निगरानी में आई यह गिरावट अफसरों की कार्यशैली और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। इस रैंकिंग के लिए सीएम डैशबोर्ड पर दर्ज विकास कार्यों में दिव्यांग पेंशन, मातृत्व-शिशु एवं बालिका योजना, ओडीओपी वित्त पोषण, बिजली, शिक्षा, सड़क निर्माण, सामूहिक विवाह, आवास और जल जीवन मिशन जैसी अहम योजनाएं शामिल हैं।

नवंबर माह में विकास कार्यों के मूल्यांकन में कानपुर को 59वीं रैंक मिली है जबकि अक्तूबर में जिला 18वें स्थान पर था। सितंबर में 26वीं और अगस्त में 25वीं रैंक थी। वहीं राजस्व कार्यों में स्थिति अत्यधिक खराब है। स्मार्ट सिटी मिशन, हाउस टैक्स वसूली, सरकारी कर राजस्व और कुल राजस्व प्राप्ति समेत 68 परियोजनाओं के मूल्यांकन में कानपुर की रैंकिंग 63वें स्थान पर रही, जबकि अक्तूबर में 62वीं थी। सितंबर में जिला 71वें और अगस्त में 68वें स्थान पर था।

लापता 17 वर्षीय किशोरी का तालाब किनारे मिला शव

» लापता होने की सूचना पर पुलिस-परिजनों के दावे अलग-अलग

पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं, विसरा सुरक्षित कर जांच तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नरवाल इलाके से एक सनसनीखेज और रहस्यपूर्ण मामला सामने आया है, जहां 9 दिन पहले घर से लापता हुई 17 वर्षीय किशोरी का शव गांव से दूर एक तालाब के किनारे बरामद हुआ है। शव की स्थिति, चेहरे पर खून के निशान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से मामला और भी पेचीदा हो गया है।

यह मामला नरवाल थाना क्षेत्र के एक गांव का है। परिजनों के अनुसार, 6 तारीख को किशोरी रोज की तरह घर से निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिवार ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

परिजनों का दावा है कि 7 और 8 तारीख को उन्होंने पुलिस को किशोरी की गुमशुदगी की सूचना दी और मदद की गुहार लगाई।वहीं पुलिस इस दावे से इनकार कर रही है। पुलिस का कहना है कि उस दौरान थाने में किसी प्रकार की गुमशुदगी की सूचना दर्ज नहीं कराई गई थी। इसी बात को लेकर शुरुआत से ही पुलिस और परिजनों के बयान आमने-सामने हैं। सात दिन बाद किशोरी का शव गांव से दूर एक तालाब के किनारे मिलने से इलाके में हडक़ंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है, हालांकि शव के चेहरे पर खून के निशान पाए गए हैं।फिलहाल पुलिस ने विसरा सुरक्षित रखकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। किशोरी की मौत हादसा है, आत्महत्या या किसी साजिश का नतीजा इसका जवाब जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

डिवाइडर में उगी घास और जमा मिट्टी की सफाई शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर शहर को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों की सोमवार को सफाई की गई। नगर निगम के कर्मचारियों ने डिवाइडर में उगी घास और पौधों को हटाया तो वहीं दोनों पट्टियों पर जमा होने वाली मिट्टी व अन्य गंदगी को भी साफ किया। जीटी रोड, चकेरी, जीटी रोड, ख्योरा रोड, पनकी तिराहा समेत कई स्थानों पर जोनल अधिकारियों के नेतृत्व में सफाई की गई। इस दौरान अवैध विज्ञापनों को भी नगर निगम की टीम ने हटा दिया।नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया था कि शहर को जोड़ने वाली मुख्य सडकों के डिवाइडर के किनारे दोनों पट्टियों में मिट्टी जमा हो जाती है, जिसमें घास और यहां तक पेड़ भी उग जाते है। नगर आयुक्त ने समस्त जोनल अधिकारी, जोनल अभियन्ता एवं जोनल स्वच्छता अधिकारी एवं प्रभारी विज्ञापन को सख्त आदेश दिए थे की सभी प्रवेश मार्गों को स्वच्छ बनाने के लिए सड़कों-फुटपाथों की सफाई की जाए और जलनिकासी की व्यवस्था की जाए।आस्थाई अतिक्रमण, अवैध होर्डिंग्स, सड़को पर लटकती केबिल-तार हटाए जाएं। जिसके चलते सामवार से अभियान शुरू किया गया। नगर आयुक्त ने कहा कि सभी अपर नगर आयुक्तों का दायित्व होगा कि वह अपने-अपने आवंटित जोनों का नियमित अन्तराल में भ्रमण करते हुए सभी व्यवस्थाओं पर सर्तक दृष्टि रखेंगे। केस्को, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण से भी संपर्क रखने के निर्देश दिए हैं।

एससीएसटी आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे का नगर निगम में हंगामा, अपमान का आरोप

नगर निगम के अधिकारी मनाने के लिए पहुंचे लेकिन वो नहीं माने

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यूपी अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने नगर निगम कार्यालय में जमकर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम में उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया और पानी तक नहीं पूछा गया। कुंडे ने कहा कि तीन दिन पहले उनके आगमन का प्रोटोकॉल भेज दिया गया था, लेकिन उसे लेने तक कोई अधिकारी नहीं आया।

आयोग के सदस्य ने महापौर प्रमिला पांडेय पर भी भेदभाव करने का आरोप लगाया।

उनका कहना था कि आयोग के पदाधिकारी होने के बावजूद उन्हें सम्मान नहीं दिया गया, जो बेहद निंदनीय है। इस दौरान नगर निगम परिसर में काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

मौके पर अपर नगर आयुक्त मोहम्मद आवेश खान, सहायक नगर आयुक्त सहित कई अधिकारी उन्हें मनाने का प्रयास करते रहे, लेकिन रमेश चंद्र कुंडे अपनी नाराजगी पर अड़े रहे। अंतत: वह बिना बैठक किए वापस लौट गए।

रमेश चंद्र कुंडे नगर निगम में सफाई कर्मचारियों और अन्य कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर बैठक करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित सभी अधिकारियों को आयोग में तलब किया जाएगा। घटना के बाद नगर निगम प्रशासन में हड़कंप मचा रहा।

अराजकता: ऑटो टैक्सी में लगा लिए अवैध लोहे के एंगल

कानपुर स्मार्ट सिटी में नागरिकों की सुरक्षा और सहूलियत के लिए इन्हें हटाने की मांग

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्मार्ट सिटी की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक अहम मुद्दा सामने आया है। शहर में चलने वाले कई विक्रम टेम्पो, ऑटो और ई-रिक्शा की बॉडी के चारों ओर अनधिकृत और अवैध रूप से लगाए गए एंगल के फ्रेम लंबे समय से परेशानी का कारण बन रहे हैं। इनसे कई हादसे हो चुके हैं।

इन अवैध फ्रेमों के कारण वाहन चालक लापरवाही और अराजक तरीके से वाहन चलाते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और अन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है।

नागरिकों की ओर से इस समस्या को गंभीरता से उठाया गया है, ताकि समय रहते इसका समाधान हो सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि अब उम्मीद की जा रही है कि पुलिस कमिश्नरेट और परिवहन विभाग इस ओर ठोस कदम उठाएंगे। यदि इन अनधिकृत फ्रेमों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है, तो न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी अधिक सुचारु होगी।यह पहल कानपुर स्मार्ट सिटी को वास्तव में सुरक्षित और नागरिकों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हो सकती है। आम जनता को भरोसा है कि संबंधित अधिकारी शीघ्र कार्रवाई कर शहरवासियों को राहत देंगे। वहीं डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ठगों ने लगाया चूना, व्यापारी के खाते से पचास हजार उड़ाए

सुबह खाते से पैसे कटने का मैसेज देख उड़े होश

» ऑनलाइन साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। व्हाट्सएप के ज़रिए मोबाइल हैक कर डिजिटल ठगी के जाल में फंसाने वाले साइबर ठग अब सीधे बैंक खातों को निशाना बना रहे हैं। मकनपुर में पूर्व चौकी इंचार्ज, इलियासपुर के ग्राम प्रधान विपिन कटियार समेत बिल्हौर कस्बे के एक व्यापारी का मोबाइल फोन हाईजैक करने के बाद शातिरों ने व्यापारी के बैंक खाते से 50 हजार रुपये उड़ा दिए। पीड़ित व्यापारी अशोक ने बताया कि देर रात उनके खाते से 10-10 हजार रुपये की पांच ट्रांजैक्शन के ज़रिए कुल 50 हजार रुपये निकाल लिए गए। इसकी जानकारी उन्हें मंगलवार सुबह तब हुई, जब मोबाइल पर खाते से पैसे कटने का मैसेज आया। मैसेज देखते ही उनके होश उड़ गए।

अशोक के अनुसार, सोमवार को उनका मोबाइल अचानक हैक हो गया था। इसके बाद व्हाट्सएप और प्ले-स्टोर अपने आप बंद हो गए। आशंका के चलते उन्होंने मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया था। कुछ देर बाद फोन ऑन कर दोबारा व्हाट्सएप बनाया गया, जिसके बाद सब कुछ सामान्य प्रतीत हुआ, लेकिन अगली सुबह खाते से रकम निकलने का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने बैंक के टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर खाता तत्काल सीज कराया और ऑनलाइन साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। क्षेत्र में लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से आम लोगों में दहशत का माहौल है।

सावधान! कहीं ठगी का अगला शिकार आप तो नहीं?

- **अनजान नंबर से आए लिंक, पीडीएफ या ऐप बिल्कुल न खोलें, तुरंत डिलीट करें।**
- अश्लील फोटो-वीडियो या फुल एचडी वीडियो के लालच में किसी भी लिंक पर क्लिक न करें।
- **मोबाइल हैक होने या अपने आप मैसेज फॉरवर्ड होने पर तुरंत फोन बंद करें।**

- संबंधित बैंक को तत्काल सूचना देकर खाता सीज कराएं।
- ओटीपी, पासवर्ड, एटीएम या बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें।
- **ठगी की आशंका या घटना होने पर तुरंत स्थानीय थाने और साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।**

इनामी लुटेरा गिरफ्तार, हाईवे लूटकांड का हुआ पर्दाफाश!

तीन के बाद चौथे आरोपी को भी पुलिस ने भेजा जेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र में हाईवे पर 9 दिसंबर की रात हुई लूट की वारदात में शामिल चौथे और मुख्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह वही अभियुक्त है, जिस पर पुलिस आयुक्त द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इससे पहले पुलिस इस मामले में तीन अन्य आरोपियों को भी सलाखों के पीछे भेज चुकी थी। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही हाईवे लूटकांड का पूरी तरह खुलासा हो गया है।

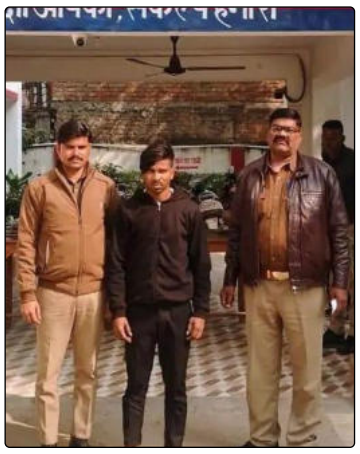

जानकारी के मुताबिक उत्तरी गांव निवासी रविकांत टोल बूथ के पास सड़क किनारे दुकान लगाकर परिवार का पालन- पोषण करते हैं। 9 दिसंबर की रात वह ई-रिक्शा पर दुकान का सामान लादकर टोल बूथ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान टोल बूथ से पहले हाईवे पर चार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की और 1600 रुपये नकद, दुकान का सामान व ई-रिक्शा लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही शिवराजपुर पुलिस हरकत में आ गई। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें संदिग्ध युवकों की गतिविधियां कैद मिलीं। तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई।

.तीन आरोपी पहले ही जा चुके थे जेल

थाना प्रभारी वरुण शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महज तीन दिन के भीतर मामले का खुलासा करते हुए शांति नगर उत्तरीपुरा निवासी सोनू पुत्र मुकेश कश्यप, नदीहा रोड निवासी शनि उर्फ छोटू पुत्र रघुवीर और बिठूर थाना क्षेत्र के रमेल नगर निवासी आयुष पुत्र दीपू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूछताछ के दौरान एक अन्य आरोपी के फरार होने की जानकारी सामने आई।

इनामी आरोपी भी पुलिस के शिकंजे में

पूछताछ में फरार चल रहे मुख्य अभियुक्त सौरभ गौतम पुत्र राकेश निवासी रमेल नगर, बिठूर का नाम उजागर हुआ, जिस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। सोमवार को शिवराजपुर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर लूट के 130 रुपये और दुकान का कुछ सामान बरामद किया गया है। लगातार कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को जेल भेजे जाने से हाईवे पर सक्रिय अपराधियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

सुबह कोहरे-गलन ने बढ़ाई कंपकपी, दोपहर को गुनगुनी धूप से मिली खूब राहत

मौसम का सर्द-गर्म असर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मंगलवार की सुबह क्षेत्र में कोहरे और गलन ने ठंड और कंपकपी को बढ़ा दिया। शहर और ग्रामीण इलाकों में सुबह-सुबह सड़कों पर हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम रही। वहीं गलन के कारण लोगों को ठंड का अहसास और बढ़ गया। कई जगह लोग सुबह आग जलाकर हाथ सेकते हुए दिखाई दिए। सड़क पर निकलने वाले लोग मोटे कपड़े और स्वेटर पहने नजर आए। स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता ने बच्चों को गर्म कपड़े पहनाकर स्कूल भेजा।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चालकों को धीमी गति से गाड़ी चलाने की सलाह दी गई। दोपहर होते-होते हल्की धूप निकलने लगी और ठिठुरते तापमान में कुछ बढ़ोतरी हुई। लोगों ने गुनगुनी धूप का फायदा उठाते हुए घरों के बाहर समय बिताया। दुकानदारों और सड़क किनारे काम करने वालों ने कहा कि दोपहर की धूप से ठंड कुछ कम हो गई। उधर मौसम विभाग के अनुसार आगे ठंड और बढ़ेगी।

बिल्हौर सीएचसी में आशा वर्करों का प्रदर्शन, भुगतान-स्थाई दर्जे की मांग

» मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएचसी अधीक्षक को सौंपा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत मंगलवार को बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आशा व आशा संगिनी कर्मियों ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में एकत्रित आशा वर्करों ने अपनी लंबित प्रोत्साहन राशि सहित विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएचसी अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र राजपूत को सौंपा। इस दौरान करीब 50 से अधिक आशा वर्कर मौजूद रहीं।

प्रदर्शन कर रही आशा वर्करों का कहना था कि वे वर्षों से केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके मानदेय और प्रोत्साहन भुगतान में लगातार देरी की जा रही है। वर्करों ने बताया कि वर्ष 2019 से कई मदों में भुगतान लंबित है, जिसे लेकर वे कई बार ज्ञापन दे चुकी हैं, मगर अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

आशा कर्मियों ने आयुष्मान भारत योजना का हवाला देते हुए कहा कि गोल्डन आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने में आशा व संगिनी कर्मियों ने दिन-रात मेहनत की, लेकिन इसके एवज में मिलने वाली करोड़ों रुपये की राशि अब तक अटकी हुई है। उन्होंने बिहार की तर्ज पर प्रति कार्ड भुगतान की व्यवस्था लागू करने और सभी बकाया राशियों को एक साथ जारी करने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से आशा वर्करों ने मानद स्वयंसेवक के बजाय सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम वेतन लागू करने, ईपीएफ-ईएसआई, स्वास्थ्य व जीवन बीमा, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी तथा बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने की मांग उठाई। साथ ही भ्रमण भत्ता, मोबाइल व इंटरनेट सुविधा और कार्यभार के अनुसार पारिश्रमिक तय करने की भी मांग की गई।

जिलाध्यक्ष आशा कटियार ने आरोप लगाया कि पोलियो अभियान के बहिष्कार के संगठनात्मक निर्णय के बाद उन्हें मुकदमे की धमकियां दी जा रही हैं, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही शासन-प्रशासन स्तर पर वार्ता कर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। बिल्हौर के साथ-साथ शिवराजपुर, चौबेपुर और ककवन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी आशा वर्करों ने प्रदर्शन कर सरकार से उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की।

सम्पादकीय

नफरती आतंकी हमलों से लड़े दुनिया

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था,जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता।निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है।

आईटी पेशेवर में गीता-ज्ञान जानने की ललक

गुरबचन जगत

आज की पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं, करियर के दबाव और संबंधों की जटिलताओं से जूझ रही है। गीता की शिक्षाएं इन समस्याओं का समाधान प्रदान करती हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षित युवाओं, विशेष रूप से आईटी पेशेवरों में गीता की शिक्षाओं के प्रति रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईटी सेक्टर, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ है, में काम करने वाले युवा लंबे कार्य घंटों, डेडलाइंस और वर्क-लाइफ बैलेंस की कमी से त्रस्त हैं। ऐसे में गीता की शिक्षाएं उन्हें तनावमुक्त करने में मदद करती हैं।

दरअसल, विषम स्थितियों के चलते गीता की शिक्षाओं को जानने को लेकर दिचस्पी बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि गीता परिचय अभियान की पहुंच बढ़ रही है। वर्तमान में ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से गीता ज्ञान से जुड़ी कक्षाएं चल रही हैं। दरअसल, गीता परिचय अभियान भारत में युवाओं को प्राचीन ज्ञान से जोड़ने का एक प्रयास है। जो यह दिखाता है कि गीता की शिक्षाएं आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में कितनी प्रासंगिक हैं। शिक्षित नौजवान और आईटी पेशेवर अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाकर एक संतुलित जीवन जीना चाहते हैं। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में गीता एक जीवनशैली बन सकती है। अभियान ने राजधानी दिल्ली में 'भगवद्गीता राष्ट्रीय सम्मेलन' की घोषणा की है, जो 21 दिसंबर को सिरिफोर्ट ऑडिटोरियम में होगा। देशभर से हजारों लोग भाग लेंगे।भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर भगवद्गीता, जो महाभारत के युद्धक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेशों का संकलन है, आज भी जीवन की हर चुनौती का समाधान प्रदान करती है। लेकिन आधुनिक युग में, जहां युवा पीढ़ी व्यस्तता, तनाव और भौतिक सुखों की दौड़ में फंसी हुई है, इस प्राचीन ग्रंथ की प्रासंगिकता को नए सिरे से समझाने की आवश्यकता महसूस की गई। तभी 'गीता परिचय अभियान' की शुरुआत हुई। यह अभियान न केवल गीता के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है, बल्कि विशेष रूप से शिक्षित युवाओं, जिनमें आईटी पेशेवर भी शामिल हैं, को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। इस अभियान के तहत ऑनलाइन क्लासेस, सेमिनार और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो युवाओं को गीता की शिक्षाओं से जोड़ते हैं।

दरअसल, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भगवद्गीता के कालातीत ज्ञान को सरल और आधुनिक तरीके से लोगों तक पहुंचाना है। इस अभियान की शुरुआत उन लोगों द्वारा की गई जो मानते हैं कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का एक व्यावहारिक मार्गदर्शक है। अभियान से जुड़े लोग इसे 'जीवन में ज्ञान, शांति और सकारात्मक बदलाव' की कुंजी मानते हैं। यह अभियान विशेष रूप से युवाओं को लक्षित करता है, क्योंकि आज की पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं, करियर के दबाव और संबंधों की जटिलताओं से जूझ रही है। गीता की शिक्षाएं जैसे कर्मयोग, ज्ञानयोग-भक्तियोग इन समस्याओं का समाधान प्रदान करती हैं।अभियान की प्रमुख विशेषता यह है कि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का भरपूर उपयोग करता है। 'गीता परिचय' नामक एक आधिकारिक ऐप उपलब्ध है, जो प्ले स्टोर या पस्टोर पर डाउनलोड किया जा सकता है।

भारतीय आत्मनिर्भरता की आकांक्षा में रूस की अहम भूमिका

अनुसंधान एवं विकास

पंकज चतुर्वेदी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों में संबंध बेहतर हुए। इस दौरान रणनीतिक साझेदारी पर ज़ोर दिया। हालांकि इस मामले में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देना जरूरी है। रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन से सर्वाधिक फ़ायदा उठाने के..रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों में संबंध बेहतर हुए। इस दौरान रणनीतिक साझेदारी पर ज़ोर दिया। हालांकि इस मामले में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देना जरूरी है। रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन से सर्वाधिक फ़ायदा उठाने के लिए भारत को रूस के साथ साझेदारी नये सिरे से उन्मुख करने की जरूरत है। हालांकि इस राह में चुनौतियां भी कम नहीं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का नई दिल्ली का दो दिवसीय दौरा 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद भारत की उनकी पहली यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में हुए इस शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के बीच टिकाऊ रणनीतिक साझेदारी पर ज़ोर दिया गया, जिसे दशकों चले शीत युद्ध-काल के सहयोग के दौरान विकसित किया गया था। इस यात्रा ने काफ़ी वैश्विक रुचि पैदा की, क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ की कोशिश रही है कि यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध को लेकर रूसी राष्ट्रपति को अलग-थलग किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने तो यूक्रेन में

युद्ध अपराधों के संबंध में पुतिन की गिरफ्तारी का वारंट तक जारी कर रखा है। इसलिए,उनकी अगवानी पारंपरिक शिखर सम्मेलन की भव्यता और संबंधित प्रोटोकॉल के साथ करने के भारतीय निर्णय का अपना रणनीतिक महत्व रहा। मोदी ने हवाई अड्डे पर रूसी नेता का स्वागत ट्रेडमार्क बन चुके गले लगाने के अपने अंदाज़ में किया, जोकि दोनों नेताओं के बीच संबंध को रेखांकित करता है। यह यात्रा भारत पर रूसी तेल आयात और रक्षा खरीद पर अंकुश लगाने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबावों के बीच हुई; दोनों पक्षों ने इस बात की पुष्टि की कि उनके संबंध 'बाहरी दबाव के परिप्रेक्ष्य में लचीले' हैं। 1960 के दशक के मध्य से रूस रिवायती तौर पर भारत को सैन्य उपकरण और प्रमुख युद्धक सामग्री (टैंक, जहाज, विमान) का आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन यात्रा से पूर्व जताई गई उम्मीदों और अटकलों के विपरीत, पुतिन की यात्रा के दौरान कोई बड़ा रक्षा सौदा घोषित नहीं हुआ। संयुक्त बयान में संदर्भ अपेक्षाकृत सामान्य था और इसमें कहा गया था कि सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग पारंपरिक रूप से भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का एक स्तंभ रहा है। आगे कहा गया- 'भारत की आत्मनिर्भरता अभियान के जवाब में,साझेदारी वर्तमान में उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर फिर से उन्मुख हो रही है'। हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए स्पेयर पार्ट्स, घटकों, संलग्न एवं अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त निर्माण पर दिया गया; भारतीय सशस्त्र बलों की ज़रूरतें पूरी करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करना; और आगे चलकर परस्पर मित्र तीसरे राष्ट्रों को निर्यात की तैयारी करना। मोदी-पुतिन शिखर सम्मेलन ने भारत-रूस रक्षा संबंधों में एक संभावित रणनीतिक बदलाव का संकेत दिया, जो पारंपरिक खरीदार-विक्रेता गतिशीलता से आगे बढ़कर प्रगाढ़ सहयोग की तरफ बढ़ रहा है। यह रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता पहल के अनुरूप है।

दबंगई और गुंडागर्दी के बल पर सरकारी नाले को पाटा, कर दी प्लाटिंग

» राय गोपालपुर में दबंग प्लाटिंगकर्ता का आतंक, विरोध करने से डर रहे ग्रामीण

» लेखपाल रवि वर्मा की भूमिका संदिग्ध, संरक्षण में पाटा गया सरकारी नाला

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।चौबेपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत राय गोपालपुर में प्लाटिंग के नाम पर चल रहे भूमि घोटाले की परतें अब और गहराती जा रही हैं। मामले की गंभीरता से पड़ताल करने पर सामने आया है कि गांव में जिस जमीन पर प्लाटिंग की जा रही है, वह कार्य पंकज दुबे नामक युवक द्वारा कराया जा रहा है, जिसे ग्रामीण भूमाफिया किस्म का व्यक्ति बता रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंकज

आरोपी पंकज दुबे

दुबे क्षेत्र में दबंगई और गुंडागर्दी के बल पर सरकारी नाले को पाट कर प्लाटिंग कर रहा है। यही वजह है कि कोई भी ग्रामीण खुलकर उसका विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

स्वराज इंडिया
लेखपाल के संरक्षण में सरकारी नाले पर कब्जा कर बना लिए प्लाट
ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

FOLLOW UP

आरोप है कि प्लाटिंग के दौरान ग्राम पंचायत के अंतर्गत बहने वाले एक सरकारी नाले को पूरी तरह पाट दिया गया और नाले की जमीन को भी अपनी प्लाटिंग में शामिल कर लिया गया है, जिससे भविष्य में जलनिकासी की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है। इस पूरे प्रकरण में क्षेत्रीय लेखपाल रवि वर्मा की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि लेखपाल के सहयोग और संरक्षण के बिना सरकारी नाले को पाटना संभव नहीं था।

सूत्रों के अनुसार, नाले पर अतिक्रमण की पूरी प्रक्रिया लेखपाल की मौन सहमति से की गई है, जिसके चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने इस प्लाटिंग और नाले पर कब्जे की शिकायत की, तो प्रशासनिक स्तर पर मामले को हल्के में लिया गया। दबंग प्लाटिंगकर्ता के प्रभाव और कथित मिलीभगत के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, सरकारी नाले को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और भूमाफिया व उसे संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गांव की सरकारी संपत्तियों को बचाया जा सके।

नेताजी एक्सप्रेस में 38.20 लाख रुपये के साथ युवक हिरासत में

» जनरल कोच में संदिग्ध हालत में सफर कर रहा था युवक, झोले से मिली नोटों की गड्डियां

रुपयों के स्रोत पर नहीं दे सका संतोषजनक जवाब, आयकर विभाग ने शुरू की जांच

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रयागराज से कानपुर आ रही नेताजी एक्सप्रेस में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 38.20 लाख रुपये नकद के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ट्रेन के जनरल कोच में संदिग्ध रूप से सफर कर रहा था। पूछताछ के दौरान वह नकदी के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सका, जिसके बाद आरपीएफ ने मामले की सूचना आयकर विभाग को देकर युवक को उनके सुपुर्द कर दिया।

आरपीएफ द्वारा अवैध वेंडरों और संदिग्ध गतिविधियों की जांच के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एसआई ओंकार सिंह अपनी टीम के साथ नेताजी एक्सप्रेस में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान जनरल कोच में खड़ा एक युवक संदिग्ध नजर आया। युवक के पास एक झोला था और पूछताछ के दौरान वह घबरा गया। तलाशी लेने पर झोले के अंदर रखे बैग से 500, 200 और 100 रुपये के नोटों की गड्डियां बरामद हुईं।कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उतारकर जब युवक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम मनीष द्विवेदी पुत्र राजू द्विवेदी निवासी गाजीपुर थाना क्षेत्र, फतेहपुर बताया। युवक ने दावा किया कि वह किराने की दुकान में काम करता है और यह रकम उसके मालिक अभिषेक गुप्ता की है। उसने बताया कि वह कानपुर किसी नारियल व्यापारी को भुगतान करने आया था, लेकिन रुपये से जुड़े कोई दस्तावेज या ठोस जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सका। दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क भी नहीं हो सका।आरपीएफ इंस्पेक्टर के अनुसार युवक के पास से 500 रुपये की 56 गड्डियां (28 लाख रुपये), 200 रुपये की 33 गड्डियां (6.60 लाख रुपये) और 100 रुपये की 36 गड्डियां (3.60 लाख रुपये) बरामद की गईं। कुल 38.20 लाख रुपये नकद आरपीएफ पोस्ट कानपुर सेंट्रल में सुरक्षित रखे गए हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए आयकर विभाग के इंस्पेक्टर अमरेन्द्र कुमार और अवधेश गुप्ता आरपीएफ पोस्ट पहुंचे, जिसके बाद युवक को आगे की जांच के लिए आयकर विभाग के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ पोस्ट कमांडर ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार नकदी से संबंधित आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीकॉम सेकंड ईयर के छात्र ने सल्फास खाकर दी जान, परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

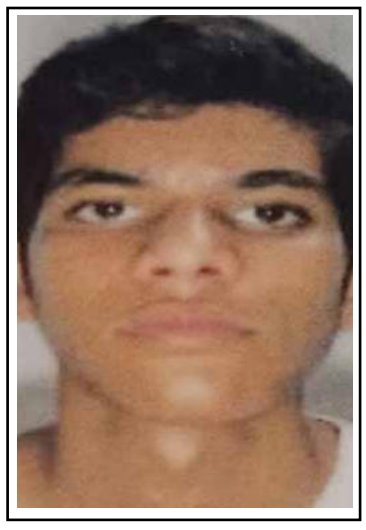

गोविंदनगर थानाक्षेत्र के 13 ब्लॉक में रहने वाले बीकॉम सेकंड ईयर के छात्र अविरल आहूजा (19) ने सलफास खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सर्वोदय नगर स्थित निजी अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अविरल के पिता अमित आहूजा एक शोरूम में प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में मां महक और छोटी बहन मान्य है।

परिजनों ने बताया कि हाई स्कूल और इंटर में अच्छे अंक प्राप्त करने के बाद वह साकेत नगर स्थित एक इंस्टिट्यूट में बीकॉम सेकंड ईयर का छात्र था। मुंह बोले चाचा योगेश ने बताया कि भतीजा होनहार और रिजर्व नेचर का था। रविवार दोपहर उसने इतना बड़ा गलत कदम उठा लिया। घटना के बाद से वह लोग खुद स्तब्ध हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि अविरल हमेशा पर्स और दो मोबाइल अपने साथ रखता था लेकिन घटना के बाद से वह नहीं मिला है।

उन्होंने गोविंद नगर पुलिस से मामले की गहनता से जांच की मांग की है।

अंग्रेजों के जमाने का मैकराबर्ट अस्पताल अब बनेगा 500 बेड का सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। मैकराबर्टगंज इलाके में स्थित जॉर्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की करीब 4500 वर्ग मीटर भूमि पर 500 बेड का सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित करेगा। प्रस्तावित अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ गरीब और जरूरतमंद मरीजों को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

पीपीपी मॉडल पर जॉर्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की 4500 वर्ग मीटर जमीन पर होगा निर्माण

» हाईलाइट्स...

- 16 मार्च 1816 को ब्रिटिश शासन में जॉर्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना की गई थी
- शिलापट के अनुसार, यह अस्पताल जेम्स स्कार्जी मेस्टन ने अपनी पत्नी की स्मृति में बनवाया था
- सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण के लिए कैबिनेट ने उक्त भूमि को केडीए को हस्तांतरित की
- कंसल्टेंट कंपनी अस्पताल के डिजाइन, सुविधाओं और संचालन की कार्ययोजना तैयार करेगी
- यहां कैंसर, हृदय, किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी

सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण के लिए कैबिनेट ने उक्त भूमि को केडीए को हस्तांतरित कर दिया है और शासनादेश भी जारी कर दिया गया है। शासन की शर्तों के अनुसार, यदि तीन वर्ष के भीतर भूमि का निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप उपयोग नहीं किया गया तो जमीन वापस ले ली जाएगी। साथ ही, जमीन का उपयोग केवल अस्पताल निर्माण के लिए ही किया जाएगा। केडीए के नगर नियोजन विभाग द्वारा अस्पताल का प्रारंभिक खाका तैयार किया जा रहा है, ताकि टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सके। परियोजना के लिए एक कंसल्टेंट कंपनी का चयन किया जाएगा, जो अस्पताल के डिजाइन, सुविधाओं और संचालन की कार्ययोजना तैयार करेगी। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों, आधुनिक मशीनों, ऑपरेशन थिएटर, पार्किंग व्यवस्था के साथ मरीजों और उनके तीमारदारों के ठहरने के लिए भी कमरे बनाए जाएंगेकेडीए के मुख्य नगर नियोजक मनोज कुमार ने बताया कि पीपीपी मॉडल के जरिए 500 बेड का सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल विकसित किया जाएगा,

जिससे शहर के उत्तर और मध्य क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। यहां कैंसर, हृदय, किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि सिविल लाइंस क्षेत्र में करीब 12 एकड़ भूमि पर 16 मार्च 1816 को ब्रिटिश शासनकाल में जॉर्जिना मैकराबर्ट मेमोरियल हॉस्पिटल की स्थापना की गई थी।

शिलापट के अनुसार, यह अस्पताल जेम्स स्कार्जी मेस्टन ने अपनी पत्नी की स्मृति में बनवाया था। अब इसी ऐतिहासिक परिसर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनने से कानपुर को एक बड़ी स्वास्थ्य सौगात मिलने जा रही है।

कल्याणपुर में बुलडोजर के आगे लेटी महिलाएं

आवास विकास परिषद की कार्रवाई के विरोध में जमकर हंगामा

» घंटों चला हंगामा, विभाग पर मुआवजा राशि बिना मिले ही कब्जा करने का आरोप

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अंबेडकर पुरम आवास विकास तीन में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब आवास विकास परिषद की टीम एक प्लॉट पर कब्जा लेने पहुंची। कार्रवाई के विरोध में खुद को जमीन का मालिक बताने वाले सूरज प्रसाद शुक्ला अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य में लगी जेसीबी के आगे महिलाएं व बुजुर्ग लेट गए।

परिजनों के विरोध के चलते मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने कई बार जेसीबी के आगे लेट रहे महिलाओं और बुजुर्गों को खींचकर हटाया, लेकिन इसके बावजूद परिजन बार-बार मशीन के सामने आकर लेटते रहे। इस दौरान करीब कई घंटों तक हंगामा चलता रहा।

सूरज प्रसाद शुक्ला का कहना है कि उक्त जमीन उनकी पुस्तैनी है और वर्तमान समय में भी उसी पर उनका कब्जा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आवास विकास परिषद सर्किल रेट से भी कम मुआवजा देना चाह रही थी, जिसे लेने से उन्होंने इनकार कर दिया।

इसके बाद परिषद ने कथित तौर पर उनकी जमीन पेट्रोलियम विभाग को करीब सत्ताईस करोड़ रुपये में बेच दी। मामले को लेकर उन्होंने न्यायालय की शरण ली है और वर्तमान में प्रकरण उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। मंगलवार को मामले की तारीख भी लगी हुई है। आरोप है कि इसके

बावजूद सोमवार को आवास विकास परिषद के अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जमीन पर कब्जा कराने लगे। परिजनों का कहना है कि उन्होंने जमीन से जुड़े सभी कागजात अधिकारियों को दिखाए और उच्च न्यायालय में चल रहे मुकदमे की जानकारी भी दी, फिर भी कार्रवाई की गई। परिवार ने चेतावनी दी कि यदि गलत तरीके से जमीन पर कब्जा किया गया तो वे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होंगे।

वहीं, कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि आवास विकास परिषद ने कब्जे की कार्रवाई के लिए पुलिस बल मांगा था। कब्जे के दौरान कुछ लोगों ने हंगामा किया और जेसीबी के आगे लेट गए थे। उन्हें हटाकर कब्जा दिलाया गया है। हंगामा कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया गया और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। आवास विकास परिषद के अधिकारियों का कहना है कि संबंधित जमीन करीब उन्नीस सौ पचासी में अर्जित की गई थी। मुआवजा देने के लिए संबंधित लोगों को बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने मुआवजा लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद मुआवजा राशि भूमि अर्जन विभाग में जमा करा दी गई थी। परिषद के अनुसार कार्रवाई नियमानुसार की गई है।

ब्राजीलियन महिला सैलानी की संदिग्ध हालात में मौत, हार्ट अटैक की आशंका

» मथुरा से पश्चिम बंगाल जाते समय रास्ते में बिगड़ी तबियत, दूतावास को दी गई जानकारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को एक ब्राजीलियन महिला सैलानी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।महिला अपने दो अन्य साथियों के साथ टैक्सी से मथुरा से पश्चिम बंगाल जा रही थी तभी रास्ते में उसकी तबियत बिगड़ गई। घटना दिल्ली नेशनल हाइवे पर कुंभी पेट्रोल पंप के पास हुई।बताया जाता है कि टैक्सी ड्राइवर पेट्रोल लेने के लिए पेट्रोल पंप पर रुका था तभी ब्राजीलियन महिला यात्री सैलजिया की हालत बिगड़ गई।उन्हें कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस तत्काल हरकत में आया।

महिला के साथ मौजूद विदेशी यात्रियों ने तत्काल घटना की सूचना विदेश में उनके परिजनों को दी। पुलिस ने घटना की जानकारी ब्राजीलियन दूतावास को दी।जिसके बाद प्रशासन ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया।पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की गहन जांच में जुट गई है।पुलिस टैक्सी ड्राइवर और मौजूद यात्रियों से घटना के बाबत पूँछतांछ कर रही है।प्रशासन महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने और दूतावास के

मृतका सिल्विया रेजिना।

निर्देशानुसार अग्रिम कार्यवाही की तैयारी में जुटा है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी अकबरपुर नीलिमा यादव ने बताया कि ब्राजील की रहने वाली विदेशी नागरिक सैलजिया की संदिग्ध मौत हुई है। वह मथुरा से पश्चिम बंगाल जा रही थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी है।

सर्दी में बच्चों को पिलाएं गर्म टमाटर का सूप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कड़ाके की ठंड की शुरुआत हो चुकी है। जहां सुबह और शाम को कड़ाके की ठंड तो दिन में खिली हुई धूप निकलती है। ऐसे में डॉक्टरों ने बच्चों को ठंड से बचाव के उपाय बताये। रसूलाबाद स्थित महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक गुप्ता ने बताया नवजात शिशुओं को मां अपने पास अधिकांश समय रखें इसके अलावा 6 माह तक के बच्चों को स्तनपान कराएं तो बच्चे के शरीर का तापमान सही रहेगा। वहीं उन्होंने बताया कि 5 साल तक के बच्चों को पूरे और गर्म कपड़े पहनाएं। कोल्ड डायरिया भी इस ठंड में हो जाता है इसलिए बच्चों को ज्यादा समय घर के अंदर रखें। धूप निकलने पर ही उन्हें घूमने और खेलने का मौका दें। गर्म चीजों में जैसे टमाटर का सूप, गर्म दूध का सेवन कराएं। ठंड में दही, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम इत्यादि को पूर्ण रूप से वर्जित कर दें। घरों में साफ सफाई रखें। वहीं ऐसी ठंड में जिन घरों में वृद्ध हैं। उनका विशेष ख्याल रखें। ठंड में स्वांस रोगी बढ़ जाते हैं। इसको लेकर वृद्ध व नौजवान लोग दूध के साथ हल्दी डालकर पियें।

पंचायत बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा

» प्रधानमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को दिया गया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष की अध्यक्षता में किसानों की मासिक पंचायत बैठक की गई। जहां पर किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा के बाद प्रधानमंत्री के नाम सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया।

तहसील प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष श्रीबाबू बुंदेला की अध्यक्षता में हुई बैठक में कहा गया कि किसानों की सिंचाई के लिए बिजली 18 घंटे दी जाएं।

आवारा मवेशियों से परेशान किसान है, जिनका कोई पुख्ता इंतजाम किया जाए। किसानों की पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रही है, दिनभर लाइन लगने के बाद किसान मायूस होकर लौटना पड़ता है। किसान प्राइवेट दुकान से अधिक

कीमत पर खाद की खरीदारी करनी पड़ती हैं। सरकारी खरीद केन्द्र पुखरायां मंडी में लगभग एक सप्ताह के ऊपर से गेट के बाहर टैक्टर खड़े किए हैं,अनाज की तौलाई नहीं हो रही है। एमआई का कहना है, जिसका गल्ला खरीदा गया है, उसके जाने के बाद अगली खरीददारी होगी।

ऐसे हालात में सर्दी में अनाज किसान बंदरों और मवेशियों से रखवाली करनी पड़ती है। कर्ण सिंह,नरपति सिंह, धर्मेन्द्र, महेन्द्र सिंह,ताहर सिंह, देवेन्द्र सिंह और राजबहादुर सिंह आदि किसानों की समस्याओं से संबंधित सात सूत्रीय ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम देवेन्द्र सिंह को ज्ञापन सौंपा गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर देहात: एसपी ने सात उपनिरीक्षकों के किए तबादले

एसपी ने नए तैनाती स्थल पर तत्काल ज्वाइनिंग का आदेश दिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कानपुर देहात पुलिस महकमे में सोमवार को फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने 7 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए तत्काल प्रभाव से आदेश जारी किया है।

पुलिस अधीक्षक की तबादले की सूची आने के बाद तत्काल सभी को रवानगी के निर्देश दिए गए। इस आदेश के तहत कई चौकी प्रभारियों को इधर से उधर किया गया है, जबकि कुछ को पुलिस लाइन से थाने में जिम्मेदारी सौंपी गई है। जनपद के अकबरपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक मो. हासिक को थाना अकबरपुर से थाना सिकन्दरा भेजा गया है। जबकि रसूलाबाद थाने में तैनात उपनिरीक्षक अजय पाल सिंह इन्हें थाना रसूलाबाद से पुलिस लाइन भेजा गया है। इसी प्रकार रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित पुलिस चौकी तिश्ती के प्रभारी राजेश कुमार को थाना रूरा भेजा गया है। बृजेश कुमार को पुलिस लाइन से इन्हें नई जिम्मेदारी देते हुए चौकी प्रभारी तिश्ती बनाया गया। थाना अकबरपुर से उपनिरीक्षक शिवशंकर को थाना रूरा के लिए तबादला किया गया। महिला थाना की उपनिरीक्षक ज्योति देवी को महिला रिपोर्टिंग चौकी डेरापुर की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिरीक्षक अनूप कुमार पाण्डेय को अकबरपुर थाना से थाना सिकन्दरा भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक ने तबादले के साथ साफ संदेश दिया कि कानून व्यवस्था सुदृढ रखना है। आगे भी और कई बड़े तबादले देखने को मिल सकते हैं।

सड़क पर बेरहमी से महिला को पीटा, वीडियो वायरल

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस दर्ज किया मुकदमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। किसी बात को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा की सड़क तक पहुंच गया। वहीं एक पक्ष का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस ने महिला की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया तो वहीं दूसरे पक्ष ने भी मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो में जहां एक महिला विपक्षी पक्ष की महिला के बाल पकडक़र उसे खींच रही है और एक युवक पिटाई भी कर रहा है तो दूसरे वायरल वीडियो में एक महिला छत से दूसरे पक्ष पर पत्थर चला रही है। पहले वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने बबली देवी पत्नी चंद्र प्रकाश निवासी उसरी की तहरीर पर रामनरेश, कमल कुमार, प्रवेश, संतोष, अतुल के विरुद्ध मारपीट करने का मामला दर्ज कर लिया। वहीं दूसरे पक्ष की पीड़िता देवी पत्नी राजबहादुर ने पुलिस की तहरीर देते हुए विपक्षियों पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। वहीं इस मामले पर जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि एक लडक़ी का अपहरण हुआ था। जिसका मामला 11 दिसंबर को रसूलाबाद थाने में दर्ज हो गया था। इसी मामले को लेकर सोमवार को विवाद हुआ। मामले में जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

गुरू गोविन्द सिंह जयंती पर 27 को रहेगा अवकाश

कानपुर देहात जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 के लिये घोषित अवकाशों की सूची में दिनांक 27 दिसम्बर, (शनिवार) को गुरू गोविन्द सिंह जयंती के मौके पर अवकाश रहेगा। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे।

कानपुर: मेट्रो को ऊर्जा मंत्रालय का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर मेट्रो ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय उपलब्धि दर्ज की। ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रविवार को आईआईटी कानपुर मेट्रो स्टेशन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान किया गया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह के दौरान केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार को यह पुरस्कार दिया। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार ऊर्जा मंत्रालय के अधीन ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इससे पूर्व वर्ष 2019 एवं 2021 में यूपीएमआरसी के लखनऊ मेट्रो को मेट्रो रेलवे सेक्टर में प्रथम पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट से सम्मानित किया जा चुका है। कानपुर मेट्रो के आईआईटी कानपुर स्टेशन को यह पुरस्कार मेट्रो परिचालन के दौरान ऊर्जा खपत में कमी लाने और सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा दक्ष प्रयासों के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि 24 शहरों में संचालित सभी मेट्रो प्रणालियों में यूपीएमआरसी की एलीवेटेड स्टेशनों की प्रति किलोमीटर ऊर्जा खपत सबसे कम है। यूपीएमआरसी देश की पहली मेट्रो प्रणाली है, जिसे अपने मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशनों के लिए इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आइजीबीसी) की सर्वोच्च प्लेटिनम रेटिंग प्राप्त हुई है। बताया कि उत्तर प्रदेश मेट्रो ने ऊर्जा खपत में लगभग 39 प्रतिशत की कमी की है।

गलत इंजेक्शन से गई जान, प्राइवेट हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप

साकेत पुरी के निर्मला हॉस्पिटल में ओवरडोज इंजेक्शन से मरीज की मौत, वीडियो में कबूलनामा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

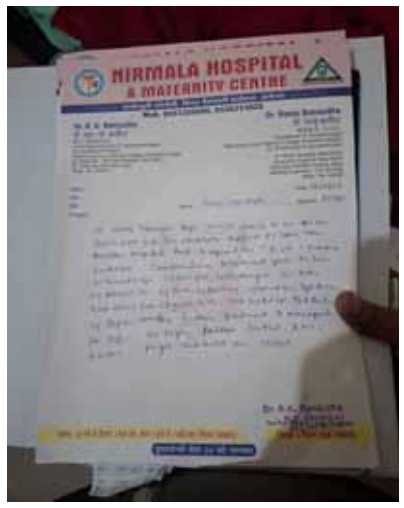

अयोध्या। साकेत पुरी स्थित निर्मला हॉस्पिटल पर मरीजों की जान से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगा है। अस्पताल संचालक डॉ. आर.के. बनोधा पर उपचार में लापरवाही के चलते एक महिला मरीज की मौत का आरोप लगाया गया है। मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अस्पताल प्रशासन द्वारा कथित तौर पर गलती स्वीकार किए जाने की बात कही जा रही है। स्वराज इंडिया इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

मृतका के परिजनों के अनुसार, मरीज की हालत में पहले सुधार हो चुका था और सोमवार सुबह उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर घर भेजे जाने की तैयारी थी। आरोप है कि इसी दौरान सुबह उसे गलत इंजेक्शन दे दिया गया,

जिसका ओवरडोज हो गया। इसके बाद अचानक मरीज की नाड़ी दर गिरकर 30-40 तक पहुंच गई और स्थिति गंभीर हो गई। परिजनों का कहना है कि हालत बिगड़ने पर डॉक्टर ने आनन-फानन में मरीज को लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ पहुंचने तक मरीज की स्थिति अत्यंत नाजुक हो चुकी थी।

वहां डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद कथित दवा रिएक्शन और ओवरडोज के कारण शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद मरीज की मौत हो गई।

परिजनों का दावा है कि डॉ. आर.के. बनोधा ने लिखित रूप में अपनी गलती स्वीकार की है।

इसके साथ ही अस्पताल के स्टाफ का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें कथित तौर पर यह कहा जा रहा है कि दवा के ओवरडोज के कारण ही मरीज की जान गई।

मृतका के मित्र ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि हॉस्पिटल को तत्काल सील किया जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए,

ताकि भविष्य में किसी और मरीज की जान खतरे में न पड़े। फिलहाल, इस मामले में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस प्रशासन की ओर से आधिकारिक जांच और कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

परिजनों की मांग है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारों पर सख्त कदम उठाए जाएं। जब इस संबंध में आरोपी डॉ. बनौधा से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

विराट कोहली और अनुष्का ने फिर लिया प्रेमानंद जी महाराज का आशीर्वाद

लंदन में बस चुके विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आध्यात्मिक जीवन में गहरी आस्था रखते हैं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वृंदावन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन के लिए उनके आश्रम पहुंचे। हर साल की तरह इस बार भी सर्दियों के मौसम में दोनों बाबा जी के आश्रम में देखे गए। इस दौरान विराट और अनुष्का ने ठंड के कपड़े पहन रखे थे और माथे पर टीका लगाए हुए थे। दोनों को नीचे बैठकर प्रेमानंद जी महाराज से आत्मीय बातचीत करते हुए देखा गया।

बताया जाता है कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आध्यात्मिक जीवन में गहरी आस्था रखते हैं और समय-समय पर वृंदावन आकर संतों का आशीर्वाद लेते रहे हैं। इससे पहले भी दोनों कई बार प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम में दर्शन और सत्संग में शामिल हो चुके हैं। खास तौर पर बड़े मैच, जीवन के अहम फैसलों या पारिवारिक अवसरों से पहले उनका वृंदावन आना चर्चा में रहता है।अनुष्का शर्मा खुले तौर पर आध्यात्म और भक्ति से जुड़ी अपनी सोच साझा करती रही हैं, जबकि विराट कोहली भी जीवन में संतुलन और मानसिक शांति के लिए अध्यात्म को अहम मानते हैं। प्रेमानंद जी महाराज के सान्निध्य में दोनों को सरल और विनम्र भाव में देखा गया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह मुलाकात किसी औपचारिकता से नहीं, बल्कि श्रद्धा और विश्वास से जुड़ी थी।आश्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी इस दृश्य को शांत और प्रेरणादायक बताया। विराट और अनुष्का की यह यात्रा एक बार फिर यह संदेश देती है कि प्रसिद्धि और व्यस्त जीवन के बीच भी आस्था और आध्यात्म के लिए समय निकालना उनके जीवन का अहम हिस्सा है।

SIDDHIVINAYAK ENCLAVE
COMMERCIAL CUM RESIDENTIAL
Fully Furnished Flat
•Lift
•Power Backup
For Sale
Ground Floor = Hall (2800sqft.)
1st to 3rd Floor = 3BHK Flat(1550sqft.)
Site Add : Plot No. 600/5, House No. 120/505, Shivji Nagar, Scheme No.1 Kanpur Nagar (Near Shivani Nursing Home)
Near Kanpur Medical Centre Lajpat Nagar, Kanpur
Mob : 9936444099, 7355766844, 9369936943

राम की धरती पर रावण की प्रतिमा, भड़का गुस्सा

हिंदू संगठनों के विरोध के बीच अयोध्या के रामायण पार्क में खड़ा हुआ विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जहां कण-कण में श्रीराम बसते हैं, जहां मर्यादा, धर्म और राष्ट्रबोध की चेतना सदियों से प्रवाहित होती रही है उसी अयोध्या में रावण की प्रतिमा का खड़ा होना केवल एक स्थापत्य घटना नहीं, बल्कि एक गहरे वैचारिक टकराव का संकेत बन गया है। गुप्तारघाट स्थित सरयू तट पर निर्माणाधीन रामायण पार्क में भगवान श्रीराम के ठीक सामने रावण की प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। यह स्थापना ऐसे समय में हुई है, जब तमाम हिंदू संगठनों ने इसका खुला विरोध किया था।

हिंदू संगठनों का स्पष्ट कहना था कि अयोध्या जैसे पावन तीर्थ में रावण की प्रतिमा स्थापित करना श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करता है। रावण केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि अधर्म, अहंकार और स्त्री-अपमान का प्रतीक है। ऐसे में श्रीराम की जन्मभूमि के निकट उसे प्रतिष्ठा देना किस विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है—यह सवाल अब मुखर हो उठा है।

विरोध के स्वर उठे, आपत्तियां दर्ज हुईं, लेकिन इसके बावजूद प्रतिमा का स्थापित होना यह संकेत देता है कि निर्णय प्रक्रिया में लोकभावना और आस्था को हाशिये पर रखा गया।

समर्थकों का तर्क है कि यह रामायण काल के दृश्य को सजीव करने का प्रयास है राम-रावण युद्ध का प्रतीकात्मक चित्रण। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या प्रतीकात्मकता के नाम पर हर स्थान, हर संदर्भ स्वीकार्य हो सकता है? अयोध्या कोई साधारण पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि हिंदू चेतना का केंद्र है। यहां हर प्रतिमा, हर शिला, हर संरचना का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अर्थ होता है।

अयोध्या में निर्माणाधीन रावण की प्रतिमा

गरुड़ की प्रतिमा और अधूरा राम स्वरूप

विडंबना यह भी है कि जहां रावण की प्रतिमा खड़ी कर दी गई, वहीं भगवान श्रीराम की प्रतिमा अभी अधूरी है धनुष-बाण लगाया जाना शेष है। क्या यह प्राथमिकताओं का असंतुलन नहीं दर्शाता? उधर रामायण कालीन गरुड़ की प्रतिमा भी स्थापित की गई है, जिसके पंख लगाए जाने की तैयारी चल रही है। पार्क का स्वरूप भव्य अवश्य हो रहा है, लेकिन उसके पीछे का वैचारिक संतुलन सवालों के घेरे में है। यह पूरा प्रकरण अब केवल एक प्रतिमा तक सीमित नहीं रहा। यह उस संघर्ष का प्रतीक बन गया है, जहां आस्था और प्रशासनिक निर्णय आमने-सामने खड़े दिखते हैं। हिंदू संगठनों का कहना है कि यदि अयोध्या में ही हिंदू भावनाओं की अनदेखी होगी, तो देश के अन्य हिस्सों से क्या अपेक्षा की जाए? राम की धरती पर रावण की उपस्थिति केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि एक प्रश्न है क्या अयोध्या की पहचान को प्रयोगशाला बनाया जा रहा है? रामायण पार्क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह स्थल पर्यटन का केंद्र बनेगा, इसमें संदेह नहीं। लेकिन उससे पहले यह तय करना होगा कि विकास के नाम पर अयोध्या की आत्मा से कोई समझौता तो नहीं किया जा रहा।

तीन महिला स्वास्थ्य कर्मियों की जीपीएफ पासबुक गायब, होगी जांच

» सीएमओ ने वरिष्ठ लिपिक का तत्काल प्रभाव से वेतन रोका

अयोध्या। अयोध्या जनपद के मिल्कीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तीन महिला स्वास्थ्य कर्मियों की जीपीएफ पासबुक गायब होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद सिन्हा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बानियान को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से जानकारी दी।बताया गया कि गायब जीपीएफ पासबुक में एक बीएचडब्ल्यू तथा दो महिला स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों की पासबुक शामिल हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ ने आठ सदस्यीय जांच समिति का गठन किया, जिसमें दो राजपत्रित अधिकारी भी शामिल किए गए। जांच के दौरान संबंधित अभिलेखों के लिए वरिष्ठ लिपिक शशिभूषण तिवारी को कई बार बुलाया गया और नोटिस भी जारी किए गए, किंतु वे जांच में उपस्थित नहीं हुए। लिपिक द्वारा फोन पर यह बताया गया कि सभी आवश्यक दस्तावेज कार्यालय की अलमारी में रखे हैं। इसके बाद जांच समिति ने अलमारी का ताला तुड़वाकर जांच की, जहां अन्य कर्मचारियों की सर्विस बुक तो मिलीं, लेकिन

तीनों महिला स्वास्थ्य कर्मियों की जीपीएफ पासबुक वहां मौजूद नहीं पाई गईं। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, जिन तीन महिला कर्मियों की पासबुक गायब हुई हैं, उनकी सेवानिवृत्ति में मात्र लगभग छह माह का समय शेष है। ऐसे में पासबुक न मिलने से महिला कर्मियों की चिंता और असंतोष बढ़ता जा रहा है। इस पूरे मामले में सीएमओ अयोध्या डॉ. सुशील कुमार बानियान ने लापरवाही को गंभीर मानते हुए वरिष्ठ लिपिक शशिभूषण तिवारी का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। उन्होंने बताया कि प्रकरण में आगे की विभागीय कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने किए पीठाधीश्वर व पूर्व सांसद के अंतिम दर्शन

डॉ. रामविलास वेदांती को सरयू नदी में दी जल समाधि

अंतिम दर्शन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। अयोध्या में वशिष्ठ भवन पीठाधीश्वर व पूर्व सांसद डा रामविलास दास वेदांती को आज जल समाधि दी गई। उनकी अंतिम यात्रा हिंदू धाम वासुदेव घाट से शोभायात्रा की तरह नगर भ्रमण करते हुए निकली। सरयू तट पहुंचकर उन्हें जल समाधि देकर नम आंखों से विदाई दी गई।

आज मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वशिष्ठ भवन पीठाधीश्वर व पूर्व सांसद डा रामविलास दास वेदांती के अंतिम दर्शन करते हुए।

राम जन्मभूमि आंदोलन के एक प्रमुख नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व नेता रामविलास वेदांती का सोमवार को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वेदांती 10 दिसंबर को रामकथा के लिए रीवा गए थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। अयोध्या के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि उनका दो दिनों से इलाज चल रहा था। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को रीवा के अस्पताल में वेदांती को दिल का दौरा पड़ा। उन्हें एयर एम्बुलेंस से भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईएमएस) ले जाने का प्रयास किया गया, लेकिन घने कोहरे के कारण विमान रीवा में लैंड नहीं कर सका। कुछ ही देर बाद उनका निधन हो गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती को श्रद्धांजलि देने उनके आश्रम हिंदू धाम पहुंचे। उन्होंने कहा कि वेदांती जी का पूरा जीवन राम के काम में लगा रहा। राम कथा का वाचन करते-करते उन्होंने नश्वर शरीर से मुक्ति ली। राम जन्म भूमि के हर आंदोलन में उनकी सहभागिता रही।

वे प्रारंभ से ही मंदिर आंदोलन का हिस्सा रहे। आंदोलन को मूर्त रूप देने में उनका अहम योगदान रहा। 25 नवंबर को भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद आयोजित हुए ध्वजारोहण समारोह में वे मौजूद थे, मुझे भी उनके सानिध्य प्राप्त हुआ था। वह एक ऐसे संत थे जिन्होंने सदैव मंदिर निर्माण की आवाज बुलंद की। 1983 से आज तक हर आंदोलन में उनकी मुख्य भूमिका रही। गोरक्ष पीठ से उनका गहरा नाता रहा उनका निधन स्तब्ध करने वाला है।

योगी आदित्यनाथ ने डॉ. राम विलास दास वेदांती को अंतिम प्रणाम किया। उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि के साथ श्रद्धा के सुमन अर्पित किए। इसके पहले एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री राम मंदिर पहुंचे। रामलला के दर्शन किए। वहां से हनुमानगढ़ी जाकर हनुमंत लला की आराधना की। हिंदू धाम आश्रम में बड़ी संख्या में संत, महंत और अनुयायी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और भाजपा नेताओं की भी उपस्थित रही। अंतिम दर्शन के लिए रामनगरी के हिंदू धाम आश्रम में बड़ी संख्या में संत, महंत और उनके अनुयायियों का जमावड़ा लगा रहा।

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, विनय कटियार और लल्लू सिंह, बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

अयोध्या के कर्मचारियों की 5 दिन छुट्टियां कैंसिल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। माघ मेला के पूर्व परिवहन निगम की अयोध्या परिक्षेत्र से दो सौ बसें लखनऊ जाएंगीं। निगम मुख्यालय के पत्र पर क्षेत्रीय कार्यालय ने परिक्षेत्र के सभी डिपो सीनियर फोरमैन और कार्यशाला प्रभारी को पत्र भेज आवश्यक इंतजाम का निर्देश दिया है। वहीं अटल जयंती पर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रधानमंत्री मोदी के हाथों राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया जाना है। जिसके लिए पूरे प्रदेश से लोगों को कार्यक्रम में लाने और वापस ले जाने के लिए रोडवेज की कुल 2500 बसें लगाई जा रही हैं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम ड्यूटी को लेकर अयोध्या परिक्षेत्र के सेवा प्रबंधक ने क्षेत्र और डिपो में तैनात तकनीकी वर्ग के नियमित व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की 23 दिसंबर से 27 दिसंबर तक पांच दिन छुट्टियां रद्द हो गईं हैं।

ड्यूटी को सफलता पूर्वक संपादित कराने के मद्देनजर बसों के मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया है। जिसके तहत ड्यूटी में लगाई गई 200 बसों के अतिरिक्त दस फीसदी अर्थात 20 बसें आरक्षित रहेगीं। चालक-परिचालक बावर्दी होंगें और बसें नई व साफ सुथरी होंगीं। पूर्व में ड्यूटी में लगाए गए कर्मियों का मोबाइल नंबर सहित ब्यौरा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में गुस्साए लॉ छात्रों का बवाल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के विधि विभाग में फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा में छात्रों को पिछले वर्ष का प्रश्न पत्र दे दिया गया था। परीक्षा के 10 दिन बाद अब परीक्षा रद्द करने पर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित छात्रों ने विधि विभाग के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। छात्रों ने इससे पहले विभाग का गेट बंद कर प्रदर्शन और नारेबाजी की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसको लेकर आज मंगलवार को बैठक बुलाई है।

जानकारी के अनुसार,अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी के छात्रों 4 दिसंबर को हुई मिड टर्म की परीक्षा दी थी। लेकिन परीक्षा निरस्त होने पर छात्र भड़क गए। छात्रों ने आरोप लगाया कि बीए एलएलबी प्रथम वर्ष के छात्रों को लीगल मेथड्स विषय की एंड टर्म परीक्षा में सत्र 2024-25 का पुराना प्रश्नपत्र थमा दिया गया। अब विश्वविद्यालय प्रशासन के फिर से परीक्षा का नोटिस जारी किया गया है।

दोबारा परीक्षा होने की जानकारी पर छात्रों ने 15 दिसम्बर दिन सोमवार को विधि संकाय का घेराव कर गेट बंद कर दिया। छात्रों ने इसे लापरवाही बताते हुए जमकर प्रदर्शन किया। इसके अलावा छात्रों ने 22 दिसंबर को होने वाली रीएक्जाम के बहिष्कार करने की घोषणा कर दी। परीक्षा रद्द होने से नाराज छात्रों का कहना है कि परीक्षा विश्वविद्यालय प्रशासन की देखरेख में हुई थी। किसी भी छात्र की ओर से कोई अनुशासनहीनता या गड़बड़ी नहीं हुई। फिर विश्व विधालय की प्रशासनिक चूक का खामियाजा छात्र क्यों भुगते। छात्रों की मांग है कि या तो पुरानी परीक्षा का मूल्यांकन कराया जाए या फिर इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाए।

डीन ने दी जानकारी

विश्वविधालय संकाय के डीन प्रो. शकील अहमद की ओर से जारी नोटिस में बताया गया है कि कुलपति के निर्देश पर लीगल मेथड्स की 4 दिसंबर को हुई एंड टर्म की परीक्षा किन्हीं कारणों से निरस्त की गई है। यह परीक्षा अब 22 दिसंबर को सुबह 10 बजे विधि संकाय में कराई जाएगी। वहीं नोटिस में छात्रों को संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से कोर्ट ने किया इनकार

नेशनल हेराल्ड केस में गांधी परिवार को मिली राहत

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में गांधी परिवार को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने श्वष्ठ के चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (ईडी) के तहत दायर यह शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि यह मामला किसी एफआईआर पर आधारित नहीं, बल्कि एक निजी शिकायत से जुड़ा है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक अदालत ने अपने आदेश में कहा कि क्क्रू की धारा 3 के तहत परिभाषित और धारा 4 के तहत दंडनीय मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध की जांच और अभियोजन, तब तक कायम नहीं रह सकता जब तक संबंधित अपराध पर एफआईआर दर्ज न हो या वह अपराध कानून की अनुसूची में शामिल न हो। इसी आधार पर अदालत ने ईडी की शिकायत को खारिज कर दिया।

कोर्ट ने यह भी कहा कि चूंकि अब दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है, इसलिए ईडी द्वारा आरोपों के गुण-दोष (मेरिट्स) पर दी गई दलीलों पर फैसला करना फिलहाल जल्दबाजी और अनुचित होगा। अदालत ने साफ कहा, धारा 3 के तहत परिभाषित और धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने से इनकार किया जाता है। शिकायत खारिज की जाती है।

वहीं, गांधी परिवार की ओर से दलील दी गई कि यह एक असामान्य और अभूतपूर्व मामला है, जिसमें बिना किसी संपत्ति के उपयोग या उसके प्रदर्शन के ही मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए गए हैं। सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेताओं ने ईडी के इस आरोप को भी खारिज किया कि यंग इंडियन का इस्तेमाल छ्रु की संपत्तियां हड़पने के लिए किया गया। उनका कहना था कि दिया गया कर्ज छ्रु को कर्ज-मुक्त बनाने के लिए था।

सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत पर केस शुरू हुआ

नेशनल हेराल्ड मामला पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी की निजी शिकायत से शुरू हुआ था, जिसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और गांधी परिवार के नियंत्रण वाली यंग इंडियन पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात और संपत्ति के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए थे।